Subject → PSYCHOLOGY

Semester → I

Course Code → CC-I (Advanced general Psychology)

Topic → Skinner Theory.

By Dr. Sanjay Kumar.
Dept of Psychology
Maharaja College, Ara
Mob. No → 9431878041
Email → Sanjay.Dehuri@gmail.com.

Scanned with CamScanner

Q. • Discuss Skinner's theory of learning. or,
Evaluate operant conditioning of learning. Can it be treated as a satisfactory theory of learning.

Ans:→ शिक्षण के How aspect की व्याख्या करते हुए Skinner (1938) ने operant conditioning theory को प्रभावित किया जिसे Instrumental conditioning theory भी कहते हैं। इस सिद्धांत का विकास Pavlov (1904) के classical conditioning के विरोध में हुआ। Pavlov ने शिक्षण की व्याख्या करते हुए S-R connectionism को re inforcement पर आधारित तो माना मगर animal के behaviour को Instrumental स्वीकार नहीं किया। उनके इसी दृष्टिकोण के विरोध में Skinner ने operant conditioning theory को विकसित किया और S-R connectionism में Re inforcement पर बल देते हुए animal के behaviour को operant या Instrumental माना।

Skinner ने operant conditioning की व्याख्या करते हुए बताया कि learning situation में animal काफी सक्रिय रहता है। जिसके व्यवहार operant होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि Re inforcement के कारण animal

Scanned with CamScanner

किसी right response का चयन करना सीख लेता है। इसी चयन में animal का Response वस्तुतः instrumental होता है। उन्होंने Skinner box में एक भूखे चूहे पर प्रयोग किया और देखा कि चूहे ने काफी परिश्रम के बाद Right leaver को दबाकर Reinforcement अर्थात food को प्राप्त करना सीख लिया। इसी तरह उन्होंने कबूतर पर प्रयोग करके प्रमाणित किया कि कबूतर ने काफी प्रयासों के बाद Right place पर salute करके भोजन प्राप्त करना सीख लिया। प्रयोग के आधार पर Skinner ने instrumental conditioning की संक्रिया निम्नलिखित बातों का उल्लेख किया।

(1) आवश्यकता **Need** :→ Skinner के अनुसार सीखने के लिए motivation में प्राणी तभी व्यवहार करता है जबकि उसमें सीखने की आवश्यकता होती है। भूख की प्रेरणा से प्रेरित होकर ही चूहे ने Right leaver को दबाने की क्रिया सीखी। इसी दृष्टिकोण से यह सिद्धान्त Pavlov के classical conditioning तथा Thorndike के सिद्धान्त से अभिन्न है। सच तो यह है कि शिक्षा के सभी सिद्धान्त शिक्षा में प्रेरणा के महत्व को स्वीकार करते हैं।

(2) **Reinforcement** :→ Skinner वास्तव
पुनर्बलन

है।
में S.R. connectionism के समर्थक
उनके अनुसार S. तथा R के बीच
connection को स्थापित होने में
Reinforcement का हाथ होता है। Skinner
box में चूहे ने food के कारण ही
Right lever को दबाना सीखा। तब
दृष्टिकोण से Skinner का सिद्धान्त सभी
सिद्धान्तों से भिन्न है। Reinforcement
के महत्व पर Skinner ने काफी बल
दिया है। उनके सिद्धान्त को Reinforcement
theory के श्रेणी में रखा जाता है। यह
सत्य है कि Pavlov ने भी classical
conditioning में Reinforcement के
महत्व पर बल दिया। मगर के दोनों के
दृष्टिकोण में स्पष्ट अंतर है। Pavlov
ने Reinforcement को प्रत्येक प्रयास
में घटित किया। Food को प्राप्त करना
सीख लिया। उसी तरह उन्होंने कबूतर
पर प्रयोग करके प्रमाणित किया कि
कबूतर ने काफी प्रयासों के बाद Right
Place पर Salute करके भोजन प्राप्त
करना सीख लिया। मगर दोनों के
दृष्टिकोण में स्पष्ट अन्तर Pavlov ने
Reinforcement को प्रत्येक प्रयास में
भोजन दिया। यहाँ Reinforcement को
प्रत्येक प्रयास में भोजन दिया गया। यहाँ
Reinforcement पर प्रयोगकर्ता का पूर्ण
नियंत्रण था। लेकिन Skinner के सिद्धांत में
प्राणी को प्रत्येक प्रयास में Reinforcem-
ent नहीं दिया गया। यहाँ Reinforcement

Scanned with CamScanner

के बाद अध्ययन का उल्लेख मिलता है।

Skinner ने Partial reinforcement के महत्व पर बल दिया। जबकि Pavlov ने उसकी चर्चा तक नहीं की। Skinner ने Partial reinforcement के कई Schedules का उल्लेख किया और शिक्षा पर उनके प्रभाव को देखने का सफल प्रयास किया। Ferester तथा Skinner (1957) ने निम्नलिखित Schedules को बताया।

(i) fixed Ratio Schedules

(ii) Fixed interval Schedules

variable interval Schedules पर विशेष रूप से अध्ययन किया और देखा कि शिक्षा की Efficiency वस्तुतः Reinforcement के Schedule पर निर्भर करता है। स्पष्ट है कि Reinforcement theory में Skinner का सिद्धान्त है। यहाँ Reinforcement का गहन अध्ययन किया गया है।

(2) Operent behaviour :→ स्वाभाविक व्यवहार

Skinner के अनुसार learning situation में प्राणी का व्यवहार operent है। प्राणी पूरी तरह सक्रिय होता है। और Reinforcement प्राप्ति में उसका व्यवहार सहायक था। चूहे को भोजन तभी उपलब्ध होता है क्योंकि वह क्योंकि वह Right response करता था। इस आधार पर Skinner का सिद्धान्त Pavlov के सिद्धान्त

से भिन्न है। क्योकि Pavlovian theory में प्राणी के व्यवहार को साहचर्यात्मक स्वीकार नही किया गया है। इस आधार पर Pavlovian theory की अपेक्षा Skinner का सिद्धान्त अधिक वास्तविक एवं स्वाभाविक है।

उत्तेजना सामान्यीकरण

(4) Stimulus Generalisation :→

Pavlovian theory की तरह Skinner के सिद्धांत में Stimulus generalisation तथा Stimulus differentation का मूल पाया जाता है। मगर Skinner का विचार इस संदर्भ में उत्तम है। Pavlov के अनुसार किसी C.S. से मिलते जुलते दूसरे C.S के प्रति G.R का घटित होना Stimulus Generalisation कहलाता है। लेकिन Skinner के अनुसार पहली शैक्षिक परिस्थिति में old response का घटित होना तथा घटित नही होना क्रमशः Stimulus generalisation कहलाता है। व्यावहारिक दृष्टिकोण से Skinner दृष्टिकोण अधिक सराहनीय है।

(5) Extinction :→ विलोप

Pavlovian theory की Skinner theory में भी extinction का उल्लेख मिलता है। मगर यहाँ भी Skinner का विचार अधिक वैज्ञानिक है। Pavlov के अनुसार अधिक समय तक Reinforcement अनुपस्थिति के कारण प्राणी अपने U.R.

Scanned with CamScanner

का inhibition कर लेता है। Skinner के अनुसार Extinction का आधार Frustration है। Hull (1943) ने Pavlov के inhibition theory का समर्थन किया है। जबकि Guthrie ने Skinner ने frustration theory को स्वीकार किया है।

(6) <u>Socialization</u> :- समाजीकरण।

Skinner के सिद्धान्त से बच्चों के socialization की व्यवस्था आदत रूप में संभव होती है। बच्चों के समाजीकरण में पुरस्कार तथा दंड दोनों का हाथ होता है। Skinner ने अपने सिद्धान्त में positive Reinforcement तथा Negative Reinforcement के रूप में पुरस्कार तथा दंड के महत्व को माना है। और दंड की अपेक्षा पुरस्कार को अधिक महत्व दिया है। उनका यह विचार आज भी modeling behaviour के रूप में सुरक्षित है।

(7) <u>Behaviour modification</u> :- व्यवहार परिमार्जन

Skinner के सिद्धान्त का एक व्यावहारिक रूप व्यवहार परिमार्जन अथवा behaviour theory के रूप में देखा जा सकता है। Skinner (1951) operant conditioning के आधार पर behaviour modification द्वारा बुरी आदतों अथवा अवांछित व्यवहारों का निरीक्षण के लिए कई ~~प्रवि~~ प्रविधियों का उल्लेख किया जिनमें simple

conditioning token economic आदि
प्रदत्त है। इस दृष्टिकोण से Skinner का सिद्धान्त न केवल Pavlovian theory से बल्कि Tolman और Hull के सिद्धान्त से भी अधिक सशक्त है। आज भी behaviour theory के रूप में इस सिद्धान्त का व्यावहारिक महत्व सर्वमान्य है।

इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षण की व्याख्या करने में Skinner का सिद्धान्त Pavlov की सिद्धान्त की अपेक्षा अधिक सक्षम है। फिर सभी प्रकार के शिक्षणों की व्याख्या करने में यह सक्षम नहीं है। क्योंकि इस सिद्धान्त की निम्नलिखित दोष या सीमाएँ हैं।

1. Seward (1949) ने इस सिद्धान्त को आलोचना करते हुए कहा है कि यह सिद्धान्त S.R association पर आधारित है। मगर वास्तविकता यह है कि कुछ शैक्षिक परिस्थितियों में शिक्षण S.S. association का परिणाम होता है स्मरण रहे कि कुछ Tolman ने भी ~~S.S.~~ शिक्षण को conectionism पर आधारित माना है।

2. Thorndike (1955) ने Skinner के सिद्धान्त की आलोचना करते हुए कहा है कि सभी शिक्षण का आधार S.R conectionism नहीं है। बल्कि S.O.R conectionism है। उल्लेखनीय है कि cognitive theory के समर्थक S.O.R association का शिक्षण का

आधार मानते हैं। उनका यह विश्वास Skinner के सिद्धान्त को खंडित करने के लिए काफी है।

(3) Skinner के सिद्धान्त की एक और खामी यह है कि इसमें प्राणी की सूझ का महत्व नहीं होता है। बल्कि केवल अभ्यास तथा Reinforcement का महत्व होता है। लेकिन उनका यह विश्वास दोषपूर्ण है। Cognitive theory के विश्लेषण से पता चलता है कि विशेष रूप से जटिल विषयों को सीखने में प्राणी की एक सूझ या समझदारी का बहुत बड़ा हाथ होता है।

(4) इस सिद्धान्त का सबसे बड़ा दोष यह है कि यह सिद्धान्त Simple conditioning की व्याख्या नहीं कर पाता है। Skinner का कहना है कि conditioning की स्थापना के लिए प्राणी को सक्रिय होना तथा उसके व्यवहार का सहायतात्मक होना आवश्यक है। लेकिन यह बात हमेशा नहीं देखी जाती है।

(5) Skinner के सिद्धान्त के विरोध में एक आपत्ति यह भी है कि इस सिद्धान्त के द्वारा अचानक समाधान की व्याख्या नहीं की जा सकती है। यह एक वास्तविकता है कि कुछ परिस्थितियों में सीखते समय अचानक सफलता मिलती है। इस वास्तविकता की व्याख्या Skinner के सिद्धान्त से संभव नहीं है।

Scanned with CamScanner

इस तरह हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि Skinner का सिद्धान्त केवल आंशिक रूप से शिक्षण की व्याख्या कर सकता है। इतना सत्य है कि यह सिद्धान्त conditioning के क्षेत्र में Pavlov के सिद्धान्त से अधिक सामान्य, व्यावहारिक तथा वैज्ञानिक है। लेकिन यह भी सत्य है कि यह सिद्धान्त Cognitive learning आदि की व्याख्या करने में सक्षम नहीं है।

Scanned with CamScanner